

फर्द अहकाम


वि

लय

नाम देवी वनाम श्रीनारायण

संख्या / वर्ष

१०२१/२३९

विनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
13/6/24	<p>पत्रावली पेशाहुई प्राचीन उनके अधिकतम उपरिमत नहीं फक्त अदालत प्राचीन उनके अधिकतम की बार-बार आवाज लगाने गई पर उनकी ओर से कोई भी उपस्थित नहीं है। ये प्राचीन का प्राचीन-प्रअपम धुजरी अदम प्रेसी में खारिज किया जाता है। पत्रावली फंसल गुमार होकर दर्ज नमक सूखम ही वाप तकमिल दाखिल दफतर है।</p> <p style="text-align: center;">  उपखण्ड अधिकारी जयपुर द्वितीय (सांगानेर) </p>	

